PREVIEW QUESTION BANK(Single)

Module Name : NCET Language: ENGLISH
Section Name : 102-Hindi Language and Literature
Exam Date : 29-Apr-2025 Batch : 15:00-18:00

Sr. No.	Client Question ID	Question Body and Alternatives	Marks	Ne M
Section : 102-Hindi Language and Literature				
Topic : Topic 3				
Q.Type : Objective Question				
1	5024	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** मानव-जाति को अन्य जीवधारियों से अलग महत्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरू है वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सुविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवीय बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किन्तु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है। उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार अन्य जीवधारियों से मानव-जाति को अलग महत्व देने में किसका योगदान है? (1) शारीरिक शक्ति का (2) परिश्रम और उत्साह का (3) विचार-शक्ति का (4) मानव-सभ्यता का (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.
Q.Type : Objective Question				
2	5025	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** मानव-जाति को अन्य जीवधारियों से अलग महत्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरू है वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सुविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवीय बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किन्तु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है। उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार विचारों की अमूल्य पूँजी में शामिल नहीं है : (1) उत्साह (2) विवेक (3) तर्क (4) बुद्धि (A) 1 (B) 2	4.0	1.

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

3 | 5026 | 4.0 | 1.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मानव-जाति को अन्य जीवधारियों से अलग महत्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरू है वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सुविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवीय बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किन्तु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार मानव में पाशविक प्रवृत्तियाँ क्यों जागृत होती हैं ?

(1) सदाशयता के कारण

(2) असत्य बोलने के कारण

(3) कुविचारों के कारण

(4) सद्भावों के कारण

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

4 | 5027 | 4.0 | 1.

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

मानव-जाति को अन्य जीवधारियों से अलग महत्व प्रदान करने वाला जो एकमात्र गुरू है वह है उसकी विचार-शक्ति। मनुष्य के पास बुद्धि है, विवेक है, तर्कशक्ति है अर्थात उसके पास विचारों की अमूल्य पूँजी है। अपने सुविचारों की नींव पर ही आज मानव ने अपनी श्रेष्ठता की स्थापना की है और मानव-सभ्यता का विशाल महल खड़ा किया है। यही कारण है कि विचारशील मनुष्य के पास जब सुविचारों का अभाव रहता है तो उसका वह शून्य मानस कुविचारों से ग्रस्त होकर एक प्रकार से शैतान के वशीभूत हो जाता है। मानवीय बुद्धि जब सद्भावों से प्रेरित होकर कल्याणकारी योजनाओं में प्रवृत्त रहती है तो उसकी सदाशयता का कोई अंत नहीं होता, किन्तु जब वहाँ कुविचार अपना घर बना लेते हैं तो उसकी पाशविक प्रवृत्तियाँ उस पर हावी हो उठती हैं। हिंसा और पापाचार का दानवी साम्राज्य इस बात का द्योतक है कि मानव की विचार-शक्ति, जो उसे पशु बनने से रोकती है, उसका साथ देती है।

उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक हो सकता है -

(1) मनुष्य की दानवी-शक्ति

(2) मनुष्य की विचार-शक्ति

(3) मनुष्य की पाशविक प्रवृत्ति

(4) मनुष्य की श्रवण-शक्ति

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Topic : Topic 4

Q.Type : Objective Question

5 | 5028 | 4.0 | 1.

		'कान पर जूँ न रेंगना' मुहावरे का सही अर्थ है : (1) कान में धीरे से कहना (2) कान से सुनाई न देना (3) बिल्कुल ध्यान न देना (4) बहुत ध्यान से सुनना (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4		

Q.Type : Objective Question

6	5029	'परामर्श' शब्द में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है ? (1) पर (2) मर्श (3) परा (4) अमर्श (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

7	5030	'कृत' प्रत्यय का प्रयोग होता है : (1) क्रिया या धातु के साथ (2) संज्ञा के साथ (3) सर्वनाम के साथ (4) विशेषण के साथ (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

8	5031	'क्षत्रिय बड़े साहसी होते हैं।' इस वाक्य में विशेषण है : (1) क्षत्रिय (2) बड़े (3) साहसी (4) होते हैं।	4.0	1.

		(A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4		

Q.Type : Objective Question

9	5032	'तोता डाली पर बैठा है।' इस वाक्य में कौन-सा कारक है? (1) अपादानकारक (2) अधिकरणकारक (3) करणकारक (4) संबोधनकारक (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

10	5033	'अन्वेषण' का संधि-विच्छेद क्या है? (1) अनु + एषण (2) अन् + वेषण (3) अनु + वेषण (4) अन्य + वेषण (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

11	5034	'नरसिंह' शब्द में कौन-सा समास है? (1) द्वंद्व (2) अव्ययीभाव (3) द्विगु (4) कर्मधारय (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

12	5035	'जहाँ प्रस्तुत में अप्रस्तुत की संभावना होती है।' वहाँ पर कौन-सा अलंकार होता है? (1) उपमा (2) उत्प्रेक्षा (3) श्लेष (4) रूपक (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

13	5036	निम्नलिखित में से कौन श्रृंगार रस का स्थायी भाव है? (1) शोक (2) उत्साह (3) जुगुप्सा (4) रति (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

14	5037	निम्नलिखित में से कौन 'जल' का पर्यावाची शब्द नहीं है? (1) नीर (2) अंबु (3) पय (4) अंबुज (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

15	5038		4.0	1.

		'इंद्र' शब्द का शुद्ध स्त्रीलिंग रूप है - (1) इंद्राणी (2) इंद्रा (3) इंद्रानि (4) इंद्रनी (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4		

Q.Type : Objective Question

16	5039	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'पक्षी' का पर्यावाची नहीं है? (1) विहग (2) पादप (3) खग (4) परिंदा (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

17	5040	'जो किए गए उपकारों को मानता है' इस वाक्यांश के लिए एक शब्द है : (1) कृतज्ञ (2) कृतघ्न (3) पतित (4) स्वेदज (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

18	5041	वर्तनी की दृष्टि से कौन-सा शब्द शुद्ध है? (1) सुर्य (2) नूपुर (3) शसि (4) आषीश	4.0	1.

(A) 1

(B) 2

(C) 3

(D) 4

Q.Type : Objective Question

19	5042	निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द 'सुधा' का विलोम नहीं है? (1) गरल (2) विष (3) अमृत (4) हलाहल (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

20	5043	'आधे-अधूरे' नाटक के नाटककार कौन हैं? (1) जयशंकर प्रसाद (2) मोहन राकेश (3) अमरकान्त (4) कमलेश्वर (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

21	5044	प्रकाशन काल की दृष्टि से प्रेमचंद के उपन्यासों का सही आरोही क्रम है : (1) सेवासदन, वरदान, रंगभूमि, प्रतिज्ञा (2) सेवासदन, वरदान, प्रतिज्ञा, रंगभूमि (3) सेवासदन, प्रतिज्ञा, रंगभूमि, वरदान (4) प्रतिज्ञा, वरदान, सेवासदन, रंगभूमि (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

22	5045	निम्नलिखित में से कौन निबंध का प्रकार नहीं है? (1) भावात्मक (2) विचारात्मक (3) वर्णनात्मक (4) चित्रात्मक (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.

Q.Type : Objective Question

23	5046	निम्नलिखित में से कौन तत्सम शब्द का उदाहरण है? (1) पगड़ी (2) जूता (3) आम्र (4) कटोरा (A) 1 (B) 2 (C) 3 (D) 4	4.0	1.